

Section A: वस्तुनिष्ठ प्रश्न (MCQs & Assertion-Reason)

प्रश्न १. लेखक मोहन राकेश ने 'सैंड हिल' की रंगीन भीड़ को छोड़कर अकेले आगे के ऊँचे टीलों की ओर बढ़ने का निर्णय क्यों लिया?

- (क) वे वहाँ बैठकर गेस्ट हाउस के बैरों की मुफ्त कॉफी पीना चाहते थे।
- (ख) सैंड हिल की रेत बहुत गीली और असुरक्षित थी।
- (ग) अरब सागर की ओर का एक ऊँचा टीला सूर्यास्त के पूरे जल-क्षितिज को ओट में लिए हुए था।
- (घ) वे विवेकानंद चट्टान पर रात बिताने की योजना बना रहे थे।

प्रश्न २. "शक्ति का विस्तार, विस्तार की शक्ति"—यह दार्शनिक वाक्य यात्रा-वृत्तांत में किसके सौंदर्य को उद्धाटित करता है?

- (क) सैंड हिल पर युवतियों के रंग-बिरंगे रेशमी कपड़ों को।
- (ख) तीन महासागरों के संगम पर फैले सागर के अगाध और अनंत विस्तार को।
- (ग) कन्याकुमारी के मंदिर की लाल और सफेद लकीरों की चमक को।
- (घ) सरकारी मेहमानों की दूरबीनों की क्षमता को।

प्रश्न ३. कथन-कारण प्रश्न (Assertion-Reason):

कथन (A): विवेकानंद चट्टान पर पहुँचने के बाद भी लेखक मोहन राकेश की टाँगें हल्के-हल्के काँप रही थीं।

कारण (R): रबड़ के पेड़ के मात्र तीन तनों को जोड़कर बनाई गई नाव से ऊँची-ऊँची लहरों और नुकीली चट्टानों के बीच से गुजरने की साहसिक यात्रा ने उनके भीतर भयंकर डर पैदा कर दिया था।

- (क) कथन A सही है, परंतु कारण R गलत है।
- (ख) कथन A गलत है, परंतु कारण R सही है।
- (ग) कथन A और कारण R दोनों सही हैं तथा कारण R, कथन A की सही व्याख्या करता है।
- (घ) कथन A और कारण R दोनों सही हैं, परंतु कारण R, कथन A की सही व्याख्या नहीं करता है।

प्रश्न ४. वाक्यों में आए क्रिया-विशेषण पदों का उनके सही भेदों के साथ मिलान (Match the Following) कीजिए:

स्तंभ 'क' (वाक्य)
(1) तट की चौड़ाई धीरे-धीरे कम होती जा रही थी।
(2) यात्रियों की टोलियाँ उस दिशा में जा रही थीं।
(3) मैं देर तक आखिरी चट्टान को देखता रहा।

स्तंभ 'ख' (क्रिया-विशेषण का भेद)
(अ) स्थानवाचक क्रिया-विशेषण
(ब) कालवाचक क्रिया-विशेषण
(स) रीतिवाचक क्रिया-विशेषण

Section B: अतिलघु उत्तरीय प्रश्न (1 अंक)

प्रश्न ५. मोहन राकेश को उनकी किस सुप्रसिद्ध नाट्य कृति के लिए 'संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार' से सम्मानित किया गया था?

उत्तर - .....

.....

प्रश्न ६. कन्याकुमारी के घाट पर बेकारी के आँकड़ों और सूर्योदय की विशेषता से कौन-से जल-पक्षी पूरी तरह 'बे-लाग' होकर तैर रहे थे?

उत्तर - .....

.....

.....

### Section C: लघु उत्तरीय प्रश्न (2 अंक)

प्रश्न ७. लेखक ने सूर्यास्त के समय डूबते सूर्य के गोले के रंगों में होने वाले तीव्र परिवर्तन का क्या सजीव चित्रण किया है?

उत्तर - .....

.....

.....

प्रश्न ८. कन्याकुमारी का वह फोटो-एल्बम बेचने वाला ग्रेजुएट नवयुवक अपनी स्थिति पर क्या तीखा सामाजिक व्यंग्य करता है?

उत्तर - .....

.....

.....

### Section D: दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (4 अंक)

प्रश्न ९. "अंधेरा घिर आने पर समुद्र तट पर बढ़ते पानी के बीच लेखक का दौड़ना और चट्टान से टकराना साक्षात् जीवन-संघर्ष का प्रतीक है।" पाठ के आधार पर इस साहसिक प्रसंग की विस्तृत समीक्षा कीजिए.

उत्तर - .....

.....

.....

.....

.....

.....

### Section E: रचनात्मक/मूल्य आधारित प्रश्न (HOTS - 5 अंक)

प्रश्न १०. "हम लोग सीपियों का गूदा खाते हैं और दार्शनिक सिद्धांतों पर बहस करते हैं"। आज के आधुनिक भारत में शिक्षित युवाओं में बढ़ती 'शिक्षित बेरोजगारी' (Educated Unemployment) की राष्ट्रीय समस्या को दूर करने के लिए आप एक छात्र के नाते सरकार को क्या ५ व्यावहारिक सुझाव देंगे?

उत्तर - .....

.....

.....

.....

.....

.....

## उत्तरकुंजी (कार्यपत्रिका - 1)

1. **उत्तर:** (ग) अरब सागर की ओर का एक ऊँचा टीला सूर्यास्त के पूरे जल-क्षितिज को ओट में लिए हुए था.
2. **उत्तर:** (ख) तीन महासागरों के संगम पर फैले सागर के अगाध और अनंत विस्तार को.
3. **उत्तर:** (ग) कथन A और कारण R दोनों सही हैं तथा कारण R, कथन A की सही व्याख्या करता है.
4. **उत्तर मिलान:** (1) -> (स), (2) -> (अ), (3) -> (ब).
5. **उत्तर:** मोहन राकेश को उनके कालजयी नाटक '**आषाढ़ का एक दिन**' के लिए 'संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार' दिया गया था.
6. **उत्तर:** '**कडल-काक**' नामक समुद्री पक्षी बेकारी की समस्या और सूर्योदय दोनों से पूरी तरह बे-लाग होकर तैर रहे थे.
7. **उत्तर:** लेखक बताते हैं कि सूर्य का गोला जैसे ही पानी को छूता है, तो पानी पर सोना ढुल आता है. अगले ही पल वह सुनहला रंग लहू जैसे लाल रंग में बदल जाता है और कुछ ही क्षणों में वह लाल रंग बैजनी और अंत में घनी स्याही (काले रंग) में विलीन हो जाता है.
8. **उत्तर:** वह नवयुवक व्यंग्य करते हुए कहता है कि "हम लोग सीपियों का गूदा खाते हैं और दार्शनिक सिद्धांतों पर बहस करते हैं, इस विवेकानंद चट्टान से हमें इतनी ही प्रेरणा मिलती है". यह वाक्य शिक्षित युवाओं की लाचारी और रोजगार के अभाव को दर्शाता है.
9. **उत्तर:** जब लेखक टीले पर सूर्यास्त देखकर मुड़ते हैं, तो चारों ओर भयंकर अँधेरा छा जाता है. टीलों के रास्ते भटकने के भय से वे सीधे नीचे समुद्र तट पर फिसल जाते हैं. परंतु वहाँ समुद्र का पानी लगातार बढ़ रहा था और तट की चौड़ाई मात्र तीन-चार फुट बची थी. अपनी जान बचाने के लिए लेखक जूता हाथ में लेकर बेतहाशा दौड़ते हैं, एक ऊँची लहर के थपेड़े से बचते हुए वे अँधेरे में सामने खड़ी एक नुकीली चट्टान से टकरा जाते हैं जिससे उनकी बाँहों पर खरोंचें आ जाती हैं. इसके बावजूद वे हिम्मत नहीं हारते और चट्टान के ऊपर चढ़कर सुरक्षित सड़क का मार्ग पा लेते हैं, जो उनके अदम्य जीवट और हार न मानने की प्रवृत्ति का अकाट्य प्रमाण है.
10. **उत्तर (शिक्षित बेरोजगारी दूर करने के ५ व्यावहारिक सुझाव):**
  - **१. कौशल-आधारित शिक्षा (Skill Education):** डिग्री-आधारित पारंपरिक शिक्षा के स्थान पर विद्यालयों और कॉलेजों में शुरू से ही व्यावसायिक और तकनीकी कौशल (जैसे कोडिंग, डेटा एनालिसिस, कुटीर शिल्प) को अनिवार्य किया जाए.
  - **२. स्टार्टअप को बढ़ावा (Startup Ecosystem):** ग्रामीण और तटीय क्षेत्रों के शिक्षित युवाओं को स्थानीय संसाधनों (जैसे शंख-सीप, जैविक कृषि) पर आधारित नए लघु उद्योग शुरू करने के लिए मुफ्त ऋण और संस्थागत प्रशिक्षण दिया जाए.
  - **३. डिजिटल ई-वाणिज्य से जुड़ाव:** स्थानीय कारीगरों और युवाओं को सीधे डिजिटल इंडिया और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म से जोड़ा जाए ताकि वे अपने उत्पादों को सीधे वैश्विक बाजार में बेच सकें और बेकारी दूर हो.
  - **४. स्थानीय पर्यटन का विकास:** कन्याकुमारी जैसे ऐतिहासिक स्थलों पर गाइड, होटल प्रबंधन और फोटो-एल्बम के व्यावसायिक स्तर को उन्नत करके स्थानीय युवाओं के लिए सम्मानजनक रोजगार के अवसर सृजित किए जाएं.
  - **५. स्वरोजगार केंद्र:** जिला स्तर पर सरकारी 'कौशल विकास केंद्रों' के माध्यम से युवाओं को केवल सरकारी नौकरियों पर निर्भर रहने के बजाय आत्मनिर्भर (SME) बनने हेतु प्रेरित किया जाए.



**Section A: अपठित गद्यांश एवं भाषा-बोध (Comprehension & Grammar)**

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सटीक उत्तर लिखिए:

"यात्राएँ केवल भूगोल को नापने या मनोरंजन का साधन मात्र नहीं होतीं, बल्कि वे मानव-मन की गहन अनुभूतियों, आत्मिक खोज और जीवन-दर्शन को समृद्ध करने का एक जीवंत माध्यम हैं। मोहन राकेश का यात्रा-वृत्तांत 'आखिरी चट्टान तक' इसी सार्वभौमिक सत्य को उजागर करता है। कन्याकुमारी के त्रिसमुद्र तट पर बिखरी अनाम बहुरंगी रेत हमें प्रकृति की क्षणभंगुरता और उसकी असीम रचनात्मकता का बोध कराती है। परंतु जब एक विस्मित यात्री वहाँ के स्थानीय नवयुवकों के जीवन से साक्षात्कार करता है, तो उसे प्राकृतिक भव्यता के पीछे छिपी शिक्षित बेकारी की कड़वी सामाजिक यथार्थता का भी बोध होता है। वास्तविक यात्रा वही है जो हमें सौंदर्यबोध के साथ-साथ समाज के प्रति संवेदनशील और कर्तव्यनिष्ठ बनाए।"

**प्रश्न १. गद्यांश और पाठ के आधार पर बताइए कि वास्तविक यात्रा का मूल उद्देश्य क्या होना चाहिए?**

- (क) केवल होटलों में रुकना और बाज़ार से शंख-मालाओं का मोल-तोल करना।  
(ख) केवल कैमरे से फोटो खींचना और दूरबीन से सूर्य-दर्शन करना।  
(ग) सौंदर्यबोध के साथ-साथ प्रकृति से संवाद, आत्मिक खोज और सामाजिक यथार्थ के प्रति संवेदनशील होना।  
(घ) समुद्र की लहरों के बीच केवल दिखावटी उदासीनता बनाए रखना।

**प्रश्न २. "तट की चौड़ाई धीरे-धीरे कम होती जा रही थी।" वाक्य में रेखांकित पद 'धीरे-धीरे' व्याकरणिक दृष्टि से क्या है?**

- (क) संज्ञा शब्द (ख) रीतिवाचक क्रिया-विशेषण शब्द  
(ग) संख्यावाची विशेषण शब्द (घ) विस्मयादिबोधक अव्यय पद

**प्रश्न ३. "अपने प्रयत्न की सार्थकता से संतुष्ट होकर मैं टीले पर बैठ गया।" इस वाक्य में मूल शब्द 'सार्थकता' में क्रमशः कौन-सा उपसर्ग और प्रत्यय प्रयुक्त हुआ है?**

- (क) स (उपसर्ग) + अर्थ (मूल शब्द) + कता (प्रत्यय) (ख) सा (उपसर्ग) + सार्थक (मूल शब्द) + ता (प्रत्यय)  
(ग) स (उपसर्ग) + अर्थ (मूल शब्द) + क + ता (दो प्रत्यय) (घ) सम् (उपसर्ग) + अर्थ (मूल शब्द) + ता (प्रत्यय)

**Section B: अतिलघु उत्तरीय प्रश्न (1 अंक)**

**प्रश्न ४. "शक्ति का विस्तार, विस्तार की शक्ति"—यह विचार लेखक के मन में कन्याकुमारी के किस विशिष्ट भौगोलिक स्थल पर खड़े होकर आया था?**

उत्तर - .....

**प्रश्न ५. पाठ में आए 'बीहड़' और 'क्षितिज' शब्दों के शब्दकोश के अनुसार प्रामाणिक अर्थ लिखिए।**

उत्तर - .....

**Section C: लघु उत्तरीय प्रश्न (2 अंक)**

**प्रश्न ६. लेखक ने कन्याकुमारी के समुद्र तट की रेत की क्या-क्या विलक्षण विशेषताएँ बताई हैं जो उन्होंने पहले कभी कहीं नहीं देखी थीं?**

उत्तर -

प्रश्न ७. सैंड हिल पर आए सैलानियों के होने से वह बालू का टीला किस प्रकार अत्यधिक 'रंगीन' हो उठा था?

उत्तर -

#### Section D: दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (4 अंक)

प्रश्न ८. "एक तरफ प्रकृति की भव्यता और दूसरी तरफ शिक्षित युवाओं की बेकारी का कड़वा सच"। मोहन राकेश ने इन दोनों विपरीत पक्षों का सामंजस्य अपनी यात्रा के अंतिम हिस्से में किस प्रकार किया है? सविस्तार स्पष्ट कीजिए.

उत्तर -

#### Section E: रचनात्मक/मूल्य आधारित प्रश्न (HOTS - 5 अंक)

प्रश्न ९. "आपकी कक्षा में कुछ विशेष आवश्यकता वाले (दिव्यांग) साथी भी हैं"। यदि आपके विद्यालय की ओर से कन्याकुमारी जैसी किसी तटीय और चट्टानी क्षेत्र की यात्रा का आयोजन किया जा रहा है, तो एक संवेदनशील सहपाठी होने के नाते आप अपने दिव्यांग मित्रों की यात्रा को सुगम, सुरक्षित और आनंददायक बनाने के लिए क्या व्यावहारिक और सामूहिक कदम उठाएंगे?

उत्तर -

## उत्तरकुंजी (कार्यपत्रिका - 02)

1. **उत्तर:** (ग) सौंदर्यबोध के साथ-साथ प्रकृति से संवाद, आत्मिक खोज और सामाजिक यथार्थ के प्रति संवेदनशील होना.
2. **उत्तर:** (ख) रीतिवाचक क्रिया-विशेषण शब्द (क्रिया के होने के ढंग को दर्शाने के कारण).
3. **उत्तर:** (ग) 'स' (उपसर्ग) + 'अर्थ' (मूल शब्द) + 'क' + 'ता' (प्रत्यय) [स+अर्थ = सार्थ + क + ता = सार्थकता]।
4. **उत्तर:** यह विचार लेखक के मन में **त्रिसमुद्र संगम पर स्थित काली चट्टान** पर खड़े होकर आया था.
5. **उत्तर:** \* **बीहड़:** ऊबड़-खाबड़, विकट, दुर्गम या भयानक स्थान।
  - **क्षितिज:** वह काल्पनिक स्थान जहाँ धरती और आकाश मिलते हुए दिखाई देते हैं (दृष्टि-सीमा)।
6. **उत्तर:** लेखक बताते हैं कि वहाँ की रेत में सुरमई, खाकी, पीली और लाल रंगों के साथ-साथ अनगिनत अनाम रंगों के सम्मिश्रण थे. एक-एक इंच पर रेत का रंग अलग था, मानो किसी ने काली घटा और घनी लाल आँधी को मिलाकर रेत के आकार में ढाल दिया हो.
7. **उत्तर:** सैंड हिल पर बहुत से नवयुवक, नवयुवतियाँ और गांधी टोपी वाले लोग एकत्र थे. युवतियों ने सूर्यास्त देखने के लिए विशेष रुचि के साथ सुंदर रंगों के रेशमी वस्त्र पहने थे, जिनमें हवा के कारण समुद्र जैसी लहरें उठ रही थीं, जिससे पूरा कैनवस रंगीन हो उठा था.
8. **उत्तर:** मोहन राकेश जी ने अपने यात्रा-वृत्तांत के अंतिम भाग में एक अद्भुत वैचारिक विरोधाभास प्रस्तुत किया है. एक तरफ जहाँ प्रकृति अपने पूर्ण वैभव के साथ उदित हो रही है—पानी और आकाश में झिलमिलाते रंग हैं, सूर्योदय का दिव्य दृश्य है और घाट पर घंटियाँ बज रही हैं, वहीं दूसरी तरफ उनका ग्रेजुएट साथी मुहल्ले-मुहल्ले के हिसाब से भयंकर शिक्षित बेकारी के आँकड़े सुना रहा है. कडल-काक पक्षी इन दोनों मानवीय पक्षों से पूरी तरह बे-लाग होकर तैर रहे हैं. लेखक यह गहरा जीवन-दर्शन समझाते हैं कि प्रकृति की इस असीम भव्यता के समानांतर इंसानी दुनिया में पेट पालने और बेकारी का एक अत्यंत कड़ा और बीहड़ संघर्ष भी लगातार चल रहा है, जिसे अनदेखा नहीं किया जा सकता.
9. **उत्तर (दिव्यांग मित्रों हेतु छात्र कार्य-योजना):** एक जागरूक और सहृदय सहपाठी के रूप में मेरे निम्नलिखित ५ मुख्य कर्तव्य होंगे:
  - **१. शारीरिक संबल (पार्टनर सिस्टम):** मैं पूरी यात्रा के दौरान अपने व्हीलचेयर प्रयोक्ता मित्र के साथ एक 'बडी' (साथी) की तरह रहूँगा और रेतीले टीलों व चट्टानी रास्तों पर उसे सुरक्षित आगे बढ़ने में शारीरिक सहयोग दूँगा.
  - **२. दृश्यात्मक व्याख्या (Audio Description):** मैं अपने दृष्टिबाधित मित्र को समुद्र के बदलते रंगों, लहरों के टकराने से बनने वाली चूरा बूँदों की जालियों और सूर्यास्त की लालिमा का सजीव आँखों देखा विवरण सुनाऊँगा ताकि वह भी मन ही मन दृश्य का आनंद ले सके.
  - **३. सांकेतिक सुरक्षा निर्देश:** श्रवणबाधित मित्रों को मल्लाहों और शिक्षकों द्वारा दिए जा रहे सुरक्षा निर्देशों को सरल संकेतों के माध्यम से तुरंत समझाऊँगा ताकि वे पानी के खतरों से सुरक्षित रहें.
  - **४. सुगम बोटिंग व्यवस्था:** विवेकानंद चट्टान जाने वाली नाव में चढ़ते-उतरने के समय अपने साथियों और नाविकों के साथ मिलकर दिव्यांग मित्रों को पूरी संवेदनशीलता के साथ सुरक्षित सीट पर बिठाने में मदद करूँगा.
  - **५. मानसिक संबल:** मैं उन्हें यह अहसास कराऊँगा कि वे हमसे अलग नहीं हैं; हम सब मिलकर खेलेंगे, हस्तशिल्प की दुकानों से शंख-मालाएँ खरीदेंगे और इस यात्रा को उनके लिए जीवन की सबसे सुखद स्मृति बनाएँगे।

